केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com

मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो0 9450567450

9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 23 सोमवार 12 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ऑटो पलटी, छह यात्री घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को रुधौली थानाक्षेत्र से अयोध्या जा रही ऑटो रोडवेज बस से साइड लगने के चलते अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें सवार दो पुरुष और महिलाएं घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक व्यक्ति को गंभीर चोट आने के चलते प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

घटना कप्तानगंज थाना क्षेत्र के महाराजगंज चौकी अंतर्गत तेलियाडीह त्रिलोकपुर के पास सुबह 10 बजे की है। बताया जाता है कि बारिश के बीच रुधौली से अयोध्या जा रही आटो रोडवेज से साइड लगने के चलते अनियंत्रित होकर पलट गई। आटो में चालक सहित 6 लोग सवार थे। 4 महिला 2 पुरुष को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान राम सुमेर पुत्र शिवप्रसाद उम्र 46 वर्ष निवासी चौसर थाना रुधौली, विद्यावती पत्नी विष्णु 45 वर्ष निवासी गुनाऐ थाना रुधौली, अनीता पत्नी राम सुमेर 40 वर्ष, रेखा देवी पत्नी रामदीन, चंपा पत्नी भुवअन के रूप में हुई। राम सुमेर को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। सूचना पर महाराजगंज चौकी पुलिस के अलावा डायल 100 की टीम भी मौके पर पहुंची। घटना की सूचना परिजनों को दी गई।

रिमझिम बारिश से सुहाना हुआ मौसम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर में रविवार की सुबह से ही घने बादल छाए रहे। बूंदाबांदी के बाद रिमझिम बारिश शुरू हो गई। इससे मौसम का काफी खुशनुमा बना रहा। रविवार की छुट्टी होने के कारण स्कूली बच्चों को परेशान नहीं होना पड़ा। मौसम के मिजाज के चलते कामकाजी लोगों को थोड़ी परेशानी हुई।इसका असर तापमान के पारे पर भी दिखा और न्यूनतम तापमान का पारा 26 डिग्री सेल्सियस रहा। जिले में बीते मंगलवार से ही मौमस का मिजाज बदला हुआ है। बादलों की आवाजाही के बीच रोज रूक–रूक कर बारिश का सिलसिला जारी है। दिन के वक्त हल्की धूप भी निकल रही है। इसके चलते मौसम सुहाना बना हुआ है और लोगों को उमस व गर्मी से राहत दे रहा है। रविवार को शहर समेत आसपास के इलाकों रिमझिम बारिश देखने को मिली। अधिकतम तापमान का पारा भी 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

दिव्यांगों को मिलेगा कृत्रिम अंग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जन्मजात और हादसे के बाद कई प्रकार के दिव्यांगता का दंश झेल रहे दिव्यांगों के चेहरे पर इनरव्हील क्लब बस्ती मिडटाउन मुस्कान लाएगा। चालू वित्तीय साल में इस बार क्लब ने 312 कृत्रिम अंग लगवाने का निर्णय किया है। क्लब की अध्यक्ष कला अग्रवाल ने बताया कि इस साल दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग लगवाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बताया कि क्लब की यह सोच है कि कृत्रिम अंग के जरिए दिव्यांगता को दूर किया जाए।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने गौतम अडानी, सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर किया नया खुलासा!

नई दिल्ली (आभा)। अरबपति गौतम अडानी पर कथित तौर पर 'कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला' चलाने का आरोप लगाने के डेढ़ साल बाद हिंडनबर्ग रिसर्च ने अरबपति गौतम अडानी पर किए गए आरोपों को लेकर एक नई रिपोर्ट जारी की है, जिसमें सेबी की वर्तमान अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की सेबी की अध्यक्ष के रूप में भूमिका के दौरान अडानी समूह से जुड़े जटिल ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी।

हिंडनबर्ग ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा, 'मौजूदा सेबी चेयरपर्सन और उनके पति धवल बुच के पास ठीक उसी अस्पष्ट ऑफशोर बरमूडा और मॉरीशस फंड में छिपी हुई हिस्सेदारी थी जो उसी जटिल नेस्टेड संरचना में पाए गए थे, जिसका इस्तेमाल विनोद अडानी ने किया था।

दुबई में रहने वाले विनोद गौतम अडानी के बड़े भाई हैं और कहा जाता है कि उन्होंने भारतीय बाजारों में निवेश करने के लिए उक्त संरचना का इस्तेमाल किया है, जिसमें कथित तौर पर अडानी समूह को बिजली उपकरणों के ओवर इनवॉइसिंग से प्राप्त धन शामिल है । व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बुच ने 5 जून, 2015 को सिंगापुर में आईपीई प्लस फंड 1 के साथ अपना खाता खोला था. कहा गया है कि ऑफशोर मॉरीशस फंड को आईआईएफएल के माध्यम से अडानी के एक निदेशक द्वारा स्थापित किया गया था और यह टैक्स हेवन मॉरीशस में पंजीकृत है।

हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों पर अडानी समूह ने प्रतिक्रिया दी है। अडानी समूह ने रविवार को एक बयान जारी कर हिंडेनबर्ग के आरोपों का खंडन किया। इसके अलावा उन्होंने हिंडनबर्ग पर निजी लाभ के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का चुनिंदा रूप से उपयोग करने का आरोप लगाया।

अडानी समूह ने अपने बयान में कहा, 'हिंडनबर्ग रिपोर्ट – एक भ्रामक आरोप, हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए नवीनतम आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और जोड़–तोड़ वाला चयन है, जो तथ्यों और कानून की अवहेलना करते हुए व्यक्तिगत मुनाफा कमाने के लिए पूर्व–निर्धारित निष्कर्षों पर पहुँचता है। हम अडानी समूह के खिलाफ इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं।

न्यूज एजेंसी के अनुसार, सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति ने शनिवार को हिंडनबर्ग के आरोपों को निराधार बताया और कहा कि उनका फाइनेंस एक खुली किताब है. माधबी पुरी बुच और धवल बुच ने एक बयान में यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंडनबर्ग रिसर्च, जिसके खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उसने उसी के जवाब में चरित्र हनन का प्रयास करने का विकल्प चुना है।

रक्षाबंधन पर दो दिन तक रोडवेज की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी महिलायें

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार आने वाली 18 और 19 अगस्त को यूपी की महिलाओं को बड़ा तोहफा देने जा रही है। योगी सरकार के इस तोहफे का लाभ महिलाएं फ्री में उठा सकेंगी। इसको लेकर शासन की ओर से आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। दरअसल रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए योगी सरकार महिलाओं को हर साल की तरह इस साल भी फ्री में रोडवेज बसों में सफर करवाएगी। ये व्यवस्था 18 और 19 अगस्त को रहेगी। दो दिन महिलाएं रोडवेज बसों में पूरे प्रदेश में कहीं भी फ्री में जा सकेंगी।

मालगाडी के तीन डिब्बे पटरी से उतरे

सोनभद्र (आभा)। यूपी में रेल हादसे रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। आए दिन किसी न किसी जिले में ट्रेन डीरेल हो रही हैं। अमरोहा और अलीगढ़ के बाद अब सोनभद्र से मालगाड़ी के पटरी से उतरने का मामला सामने आया है। रविवार को जिले के बीना क्षेत्र के बांसी बिजली उपकेंद्र के पाससुबह लगभग 10.50 बजे खड़िया से कोयला लेकर अनपरा थर्मल पॉवर स्टेशन(एटीपीएस) जा रही मालगाड़ी बेपटरी हो गयी। इस हादसे में इंजन समेत तीन डिब्बे पटरी से उतर गए।

मालगाड़ी के डिरेल होने की सूचना मिलने से रेल अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गए। उन्होंने पड़ताल के साथ ट्रैक के अनुरक्षण कार्य शुरू कर दिए। अधिकारियों ने क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से मिट्टी दबने से मालगाड़ी डिरेल होने की संभावना ने जतायी है। रेलवे कर्मी साफ सफाई के साथ युद्ध स्तर पर अनुरक्षण कार्य शुरू कर दिए है। घटना से ट्रैक भी क्षतिग्रस्त हो गई है। सोमवार तक ट्रैक सही करने की बात अधिकारियों ने कही है। संयोग अच्छा रहा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई। बता दें कि पहले भी बीना मे मालगाड़ी डिरेल हो चुकी हैं।

भारत में घुसपैठ करते 11 बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में

नयी दिल्ली (आभा)। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में घुसपैठ करने का प्रयास करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक प्रवक्ता ने कहा कि उनसे पूछताछ की जा रही है और विस्तृत कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य की पुलिस को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएसएफ आपसी मुद्दों, विशेषकर भारतीय नागरिकों और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए अपने समकक्ष बीजीबी के साथ नियमित संपर्क में है।

बीएसएफ के कोलकाता मुख्यालय वाले दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने एक बयान में कहा कि उसकी पूर्वी कमान के प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने शनिवार को एक सम्मेलन की अध्यक्षता की, जिसमें "बांग्लादेश में मौजूदा अशांति के बीच" और 15 अगस्त को आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 4,096 किलोमीटर लंबी भारत–बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा की गई।

बीएसएफ ने कहा, "भारत में घुसपैठ करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर हिरासत में लिया गया है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा सीमा से दो–दो, जबकि मेघालय सीमा से सात को पकड़ा गया।" उन्होंने बताया कि उनसे पूछताछ की जा रही है और विस्तृत कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य की पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

उपचुनाव में यूपी की सभी 10 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी बसपा

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव के बाद खाली हुई यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने बड़ी घोषणा की है। रविवार को आयोजित बसपा की बैठक में यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा, निकट भविष्य में राज्य की 10 रिक्त विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी और पूरे दमखम से चुनाव लड़ेगी। मायावती ने लखनऊ में प्रदेश कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक में उपचुनाव लड़ने की घोषणा की। अमूमन उपचुनावों से दूर रहने वाली बसपा ने इस उपचुनाव को पूरे दमखम से लड़ने का फैसला किया है।

बसपा मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान में मायावती ने कहा है, लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में रिक्त हुई 10 विधानसभा सीटों पर प्रस्तावित उपचुनावों के लिए अभी चुनाव की तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इसे लेकर सरगर्मी लगातार बढ़ रही है।' मायावती ने कहा, श्खासकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सरकार द्वारा इसे (उपचुनाव) प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेने के कारण इन उपचुनावों में लोगों की रुचि काफी बढ़ी है। बसपा ने भी इन उपचुनावों में सभी (10) सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने और पूरे दमखम के साथ लड़ने का फैसला किया है।

बसपा प्रमुख ने इस बयान की प्रति अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर भी साझा की। उन्होंने आग्रह किया कि चूंकि, बसपा गरीबों, वंचितों और पीड़ितों की पार्टी है तथा दूसरे दलों की तरह यह बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों के सहारे और इशारे पर नहीं चलती है, इसलिए इसके समर्थक पूरे तन–मन–धन से सहयोग कर पार्टी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्य में 2022 के विधानसभा चुनाव में कुल 403 सीटों में मात्र एक सीट और लोकसभा चुनाव में पूरी तरह सफाया होने के बाद बसपा की उम्मीदें उपचुनावों पर टिकी हैं।

आरक्षण को लेकर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अंदर उप–वर्गीकरण और श्क्रीमी लेयरश संबंधी मामलों के बीच बसपा प्रमुख अब पूरे तेवर में दिख रही हैं। उत्तर प्रदेश के नौ विधानसभा सदस्यों के लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद उनके इस्तीफे से और कानपुर के सीसामऊ से (सपा) विधायक इरफान सोलंकी को (एक आपराधिक मामले में) सजा सुनाए जाने के बाद कुल 10 सीटें रिक्त हुई हैं। विधानसभा के एक अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग को 10 सीटों की रिक्ति की सूचना भेज दी गई है।

हिंडनबर्ग खुलासे के बाद बोले खरगे: जेपीसी गठित कर हो बड़े घोटालों की जांच

नई दिल्ली (आभा)। अमेरिकी शॉर्ट– सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच के खिलाफ लगाए गए आरोपों के मद्देनजर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस 'बड़े घोटाले' की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की जरूरत है। खरगे ने आरोप लगाया कि जब तक जेपीसी इस मुद्दे की जांच नहीं करती, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि श्पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गईं भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।श् कांग्रेस ने कहा कि सरकार को अडाणी समूह की नियामक की जांच में सभी हितों के टकराव को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की अपनी मांग दोहराई।

खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडाणी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन–देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं।''

उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं और उनका सेबी पर भरोसा है। खरगे ने कहा कि इस 'बड़े घोटाले' की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराना आवश्यक है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि 'पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गईं भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।'

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच और उनके पति के पास कथित अडाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी।

हिंडनबर्ग ने अडाणी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, "सेबी ने अडाणी के मॉरीशस और विदेश स्थित फर्जी कंपनियों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।" अडाणी समूह ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

आरक्षण की लड़ाई को कमजोर कर रही है भाजपा सरकार– अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। एससी–एसटी आरक्षण में उप–वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' के विवाद में सियासत गर्माती जा रही है। मायावती के बाद अब अखिलेश यादव ने भी भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी कूद पड़े हैं। रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने दावा किया कि सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुकदमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश करती है। सपा प्रमुख ने रविवार को एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तीकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन। इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है।

यादव ने दावा किया, अनगिनत पीढ़ियों से चले आ रहे भेदभाव और मौकों की गैर–बराबरी की खाई चंद पीढ़ियों में आए परिवर्तनों से पाटी नहीं जा सकती। उन्होंने कहा कि 'आरक्षण' शोषित, वंचित समाज को सशक्त और सबल करने का संवैधानिक मार्ग है, इसी से बदलाव आएगा, इसके प्रावधानों को बदलने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुकदमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश करती है, फिर जब पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है और इसीलिए भाजपा पर से 90 फीसदी पीडीए समाज का भरोसा लगातार गिरता जा रहा है।

यादव ने आरोप लगाया, आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है। पीडीए के लिए श्संविधानश संजीवनी है, तो श्आरक्षणश प्रायवायु!।" उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त के एक फैसले में राज्यों को एससी एवं एसटी के बीच 'क्रीमी लेयर' की पहचान करने के लिए एक नीति बनाने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को कहा कि भीम राव आंबेडकर के दिए संविधान में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' (क्रीमी लेयर) के लिए कोई प्रावधान नहीं है।'क्रीमी लेयर' का तात्पर्य एससी एवं एसटी समुदायों के उन लोगों और परिवारों से है जो उच्च आय वर्ग में आते हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में संवाददाताओं को बताया था कि मंत्रिमंडल का यह सुविचारित मत है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार डॉ. आंबेडकर के दिए संविधान के प्रावधानों के प्रति प्रतिबद्ध है। वैष्णव ने कहा था, श्बी आर आंबेडकर के दिए संविधान के अनुसार, एससी–एसटी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा था कि एससी–एसटी आरक्षण का प्रावधान संविधान के अनुरूप होना चाहिए।

सपा के युवा संगठनों का सदस्यता अभियान जारी: दूसरे दिन बनाये 130 सदस्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रहमान सिद्दीकी, मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी छात्र सभा जिलाध्यक्ष अजय यादव, युवजन सभा जिलाध्यक्ष विपिन त्रिपाठी के संयोजन में टाउन क्लब के निकट दूसरे दिन रविवार को सदस्यता अभियान चलाया गया। दूसरे दिन 130 सदस्य बनाये गये। सपा के फ्रन्टल संगठनों का चरणबद्ध ढंग से कार्यक्रम 31 अगस्त तक चलेगा।

सपा के पूर्व महासचिव जमील अहमद, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे', मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहन गंगवार, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल सिंह, आदि ने सदस्यता अभियान में हिस्सा लेते हुये कहा कि फ्रन्टल संगठनों के पदाधिकारी सपा के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को जोड़े। वक्ताओं ने कहा कि समाज में राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन का दायित्व युवाओं के कंधे पर है। कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगोष्ठी, पीडीए पौधरोपण के साथ ही जो कार्यक्रम दिये गये हैं उसे पूरी तन्मयता से पूरा किया जाय। युवाओं को छात्र संघ बहाली के लिये रचनात्मक आन्दोलन के साथ ही पेपर लीक, मंहगी होती शिक्षा आदि के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करना होगा।

सदस्यता अभियान में मुख्य रूप से मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के जिला उपाध्यक्ष मो0 हारिश, दीपक आर्या, मो. समीर, नईम अंसारी, मो. शाद 'सद्दू' उपेन्द्र कन्नौजिया, रवि त्रिपाठी, राम आशीष वर्मा, मो0 अजहर, अमित यादव 'प्रिन्स', विकास यादव, अजय पाल, संदीप के साथ ही फ्रन्टल संगठनों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 अगस्त 2024 सोमवार

सम्पादकीय

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट और राजनीति

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आने के बाद राजनीतिक दलों की तरफ से बयान आने शुरु हो गए हैं। विपक्ष लगातार केंद्र सरकार को घेरने में लगा है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश के लोगों के हजारों करोड़ रुपये डूब गए। फर्जी कंपनी से हजारों करोड़ निकाले गए। अदाणी कंपनी का शेयर बढाया गया। नई रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट संज्ञान ले। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की पिछली रिपोर्ट में बताया गया था कि गौतम अदाणी ने मनी लॉन्ड्रिंग करके हजारों करोड़ रुपए मॉरीशस में फर्जी कंपनियां बनाकर लगाए। इन्हीं फर्जी कंपनियों के जरिए अदाणी कंपनी का शेयर बढाया गया। वहीं जब इसकी पोल खुली तो देश के करोड़ों आम आदमी का आठ लाख 50 हजार करोड़ डूब गया। यह पैसा अदाणी का नहीं बल्कि देश के आम लोगों का था। जब मैंने सदन में इसके खिलाफ आवाज उठाई और घोटाले का खुलासा किया तो मोदी सरकार ने मुझे जेल भेज दिया।

आप सांसद ने कहा कि हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में अदाणी और सेबी के सांठगांठ की पोल खुल गई है। हिंडनबर्ग की पिछली रिपोर्ट आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को इस मामले की जांच का आदेश दिया। सेबी ने मई 2023 में कोर्ट को बताया, यह एक दिशाहीन जांच है। हुजूर गड़बड़ी तो हुई है लेकिन यह नहीं बता सकते कि यह गड़बड़ी किसने की है। सेबी और उसके अध्यक्ष ने कोर्ट में यह क्यों बोला, इसका खुलासा हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में हुआ है। हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि सेबी की प्रमुख माधवी बुच और उनके पति धवल बुच ने 10 मिलियन डॉलर अदाणी की उन्हीं कंपनियों में लगाए हैं, जिसकी सेबी को जांच करनी थी।

अमेरिकी शॉर्ट–सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे किए गए हैं। रिपोर्ट में भारतीय शेयर बाजार नियामक सेबी की प्रमुख और उनके पति पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ताजा रिपोर्ट सामने आने के बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ैम्ठप्) की प्रमुख माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के नाम कथित अदाणी घोटाले से जुड़ रहा है। शनिवार देर रात आई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट ऑफशोर फंड में दंपती की हिस्सेदारी थी।

हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी 'ग्लोबल डायनामिक ऑपर्चुनिटी फंड' में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि इसी कंपनी में गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी ने अरबों डॉलर का निवेश किया है। आरोप है कि इस पैसे का इस्तेमाल ही शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया। फिलहाल इन आरोपों पर सेबी की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हिंडनबर्ग का आरोप है कि अदाणी मामले की जांच का जिम्मा सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच पर ही था, जबकि उन्हीं की कंपनी में विनोद अदाणी ने भारी–भरकम निवेश किया था।

नई रिपोर्ट जारी करने के बाद हिंडनबर्ग ने कहा था, अदाणी समूह पर हमारी मूल रिपोर्ट को लगभग 18 महीने बीत चुके हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत पेश किए जा चुके हैं कि भारतीय कारोबारी समूह (अदाणी) कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला में संलिप्त रहा है। हालांकि, ठोस सबूतों और 40 से अधिक स्वतंत्र मीडिया जांच के बावजूद सेबी ने अदाणी समूह के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कार्रवाई के बजाय जून, 2024 में सेबी ने हमें एक स्पष्ट श्कारण बताओश नोटिस भेजा।

माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ 10 अगस्त 2024 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में कई आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों के संदर्भ में हम यह बताना चाहेंगे कि हम रिपोर्ट में लगाए गए निराधार आरोपों और आक्षेपों का दृढ़ता से खंडन करते हैं। इनमें कोई भी सच्चाई नहीं है। अदाणी समूह ने कहा, 'हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए ताजा आरोप दुर्भावनापूर्ण हैं। इसके लिए फर्म गलत इरादों से सार्वजनिक तौर पर मौजूद जानकारी के बहकाने वाले तरीके से चुनकर, तथ्यों और कानूनों की उपेक्षा कर निजी लाभ हासिल करने के लिए पूर्व निर्धारित निष्कर्षों पर पहुंची है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सरकार गंभीरता से लेगी या इसे भी खारिज कर दिया जायेगा।

सांप्रदायिक, जातीय हिंसा से झुलसता भारतीय उपमहाद्वीप

– कमलेश पाण्डेय–

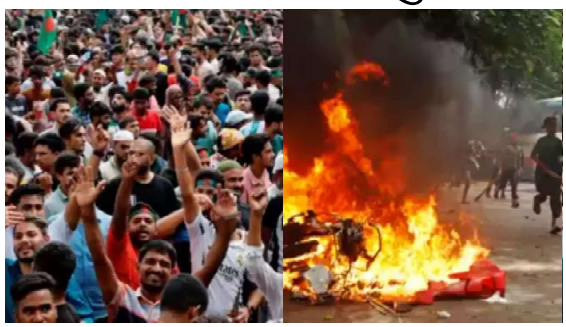

कहते हैं न कि नीतियां जब नरम होती हैं, तो अराजक तत्व हावी हो जाते हैं। राजतंत्र के कब्र पर पनपा समकालीन लोकतंत्र इसका जीता–जागता उदाहरण है। हाल के दिनों में बांग्लादेश में हुई हिन्दू विरोधी हिंसा, पाकिस्तान व अफगानिस्तान में जारी हिन्दू विरोधी उत्पीड़न व हिंसा की अगली कड़ी है। यूँ तो भारत के कश्मीर, केरल और पश्चिम बंगाल आदि में भी जब तब कुछ ऐसा ही हो जाता है, जिस पर काबू पाने में भारतीय प्रशासन भी सियासी वजहों से लगभग असहाय नजर आता है। गोया, इन घटनाओं से साफ है कि इन देशों में पुलिस या सैन्य प्रशासन का भय अपराधी या गिरोहबाज प्रवृत्ति के लोगों में नहीं है। ऐसा इसलिए कि सांप्रदायिक व जातीय वजहों से कुछ सुरक्षाकर्मी–पुलिसकर्मी भी प्रत्यक्ष या परोक्ष तरीके से ऐसी नृशंस घटनाओं को शह देते आये हैं। वहीं, सिविल प्रशासन पर भी अमूमन सियासी वजहें हावी रहती हैं, जिसके चलते भीड़ की बेलगाम हिंसा को रोकने वाला न तो कोई माई–बाप है और न ही ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई सामूहिक दंड विधान मौजूद है, जिसका भय इनके दिलोदिमाग में बना रहे।

इसलिए मेरे जेहन में यही सवाल उठता है कि आखिर भारतीय उपमहाद्वीप में कब तक थमेंगी सांप्रदायिक व जातीय हिंसा की ऐसी बर्बर आदिम युगीन घटनाएं? इस बदतर स्थिति के लिए भारतीय, पाकिस्तानी या बांग्लादेशी हुक्मरान कितने जिम्मेदार हैं? वहीं, दुनिया के थानेदार मतलब अमेरिका, चीन और रूस आदि भी आखिर क्यों नहीं चाहते इन बर्बर घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक? शायद इसलिए कि लोकतांत्रिक सियासत में वोट बैंक के जुगाड़ के लिए ऐसी निर्लज्ज व जघन्य घटनाओं की ब्रेक के बाद पुनरावृत्ति जरूरी है! तभी तो न तो मुगलिया सल्तनत में, न ब्रितानी हुकूमत में और न ही आजाद भारत–पाकिस्तान–बांग्लादेश में ऐसी लोमहर्षक घटनाओं पर कोई मजबूत लगाम लग सकी? तो क्या इन देशों का संविधान, संसद और सर्वोच्च न्यायालय इन सबकी खुली इजाजत देता आया है! यदि नहीं तो इन वारदातों के खिलाफ कितने स्वतः संज्ञान लिए गए। यहां की संसदों–विधानमण्डलों में कितनी सकारात्मक बहसें हुईं और उसके क्या सकारात्मक परिणाम निकले। क्या कोई जनरक्षक कानून बन पाया या विधि–व्यवस्था की विफलता के लिए किसी की जिम्मेदारी (सामूहिक ही सही) तय की जा सकी। जवाब होगा, शायद अब तक तो नहीं। तो फिर सवाल यही कि आजादी के इतने सालों बाद तक भी क्यों नहीं?

क्योंकि मुगलों और अंग्रेजों पर तो फूट डालो शासन करो के आरोप लगाए गए, लेकिन भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश आदि में बैठे श्काले अंग्रेजों श जिनमें नेता–नौकरशाह दोनों शामिल हैं, ने क्या किया? जवाब होगा– हिन्दू–मुस्लिम, सिख–ईसाई को सम्प्रदाय में बांटने के लिए अल्पसंख्यक–बहुसंख्यकवाद चलाना और हिन्दू समाज को जातियों में बांटने के लिए आरक्षण को अनैतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और नख से सिख तक ब्राह्मणवाद–बनियावाद को कोसते रहने के शिवाय कुछ भी नहीं! आखिर यह कौन नहीं जानता कि परस्पर कई युद्ध लड़ चुके इन देशों की राजनीति में जहां पाकिस्तान–बांग्लादेश की सियासत भारत और हिन्दू विरोध के ऊपर चलती आई है। वहीं भारत की सियासत मुस्लिम तुष्टीकरण और हिन्दू हितों की हिफाजत के नाम पर चमकती आई है। बावजूद इसके, कहीं आतंकी हिंसा, कहीं नक्सली हिंसा, कहीं गिरोह वार, कहीं जातीय हिंसा और कहीं साम्प्रदायिक हिंसा ही इन देशों की नियति बन चुकी है। यहां का पुलिस प्रशासन और मिलिट्री प्रशासन इन उपद्रवियों के समक्ष लाचार नजर आता है।

आप मानें या न मानें, लेकिन इस कबीलाई लोकतंत्र, जहां सुशासन के तमाम प्रयास विफल साबित प्रतीत हो रहे हैं, को अब पूंजीवाद से खतरा है। क्योंकि अपने दीर्घकालिक लाभ के वास्ते हथियार बेचते रहने की गरज से ये कहीं भी अमन–चौन रहने देना नहीं चाहते हैं! इनकी नीतियां जनद्रोही हैं, जिसे ये न्यू वर्ल्ड आर्डर करार देकर हम पर थोपना चाहते हैं। इनकी डिजिटल सोच सुविधाजनक पर रोजगार घाती है। इनका तकनीकी प्रेम विकासपरक लेकिन मानवता के लिए विनाशक है। इनकी नई आर्थिक नीति लूट–खसोट के अलावा कुछ भी नहीं! यदि आप गौर करें तो रूस–यूक्रेन युद्ध, इजरायल–फिलिस्तीन संघर्ष, चीन–ताइवान विवाद, भारत–पाक क्षद्म युद्ध के बाद बांग्लादेश का हिन्दू विरोधी जिहाद कोई संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग है और इसे समझने की जरूरत है। कभी नेपाल, कभी म्यांमार, कभी श्रीलंका, कभी मालदीव, कभी अफगानिस्तान, कभी ईरान आदि जगहों पर घटित अपेक्षित, अनपेक्षित घटनाओं का असर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ता है, जो वैश्विक महाशक्तियों के लिए सुस्वादु तरबूज प्रतीत होता है। इसलिए वो अपना हिस्सा पाने के लिए तरह तरह के तिकड़म भिड़ाते–भिड़वाते रहते हैं।

इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जनतांत्रिक प्रशासन में न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के मजबूत रहते हुए और खबरपालिका के सजग रहते हुए भी आखिर ऐसी नृशंस वारदातें क्यों नहीं थम पा रही हैं? आखिर इससे किनका हित सध रहा है और उसे कबतक सहने दिया जाएगा? ये बातें सभ्य समाज के लोगों की नींद में खलल डाल रही हैं। इसलिए अब सबके जेहन में यह बात सुलग रही है कि यदि तमाम वैज्ञानिक व तकनीकी विकास के बावजूद समकालीन शासन यदि मानव समुदाय को सुरक्षा और सुव्यवस्था देने में विफल रहता है तो फिर उसके होने या न होने का मतलब क्या रह जाता है? लिहाजा, शांति व सुव्यवस्था के सवाल पर अब सार्वजनिक बहस होनी चाहिए और करो या मरो का फैसला लेना चाहिए।

भारतीय उपमहाद्वीप, जिसमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव आते हैं, की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि भारत अपने बड़े भाई के तौर पर सख्त नहीं, बल्कि लचीला रुख अपनाने का आदीध्अभ्यस्त रहा है। इसलिए तो हिन्दू–मुस्लिम के नाम पर क्रमशः हिंदुस्तान और पाकिस्तान नामक दो देश तो बन गए, लेकिन कुछ मुस्लिम यहां रह गए और कुछ हिन्दू वहां रह गए। यही अब कोढ़ में खाज मानिंद लग रहे हैं।

आंकड़े चुगली करते हैं कि हिंदुस्तान में मुस्लिम आबादी तो बढ़ती रही, लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दू आबादी घटती चली गई। आखिर ऐसा क्यों, यह पूछने का साहस भारतीय नेतृत्व के पास नहीं है और न ही जवाबी कार्रवाई करने की हिम्मत। अन्यथा हिंदुओं का उत्पीड़न पाकिस्तान और बांग्लादेश में कभी नहीं होता! भारत को अपने पड़ोसी देशों को साफ साफ बता देना चाहिए कि यदि हिन्दू हितों की हिफाजत नहीं कर सकते तो अपने अपने दूतावास भारत से समेट लो। फिर भी यदि उत्पात नहीं थमता तो सर्जिकल स्ट्राइक या सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखना चाहिए। इतना ही नहीं, भारतीय धर्मनिरपेक्षता को तबतक के लिए समाप्त कर देना चाहिए, जबतक कि पाकिस्तान–बांग्लादेश का भारत में विलय नहीं हो जाए। यह सब कोई मजबूत इरादे वाला राजनेता ही करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक अवसर है कि महात्मा गांधी की दुविधाओं से ग्रसित धर्मनिरपेक्षता को समाप्त करके भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करें, क्योंकि यह हिंदुओं के हिस्से वाला भारत है। इसके साथ ही मुगलिया व ब्रितानी अत्याचारों के तमाम प्रतीकों को ध्वस्त करें। यह सब पंडित नेहरू के समय में ही हो जाना चाहिए, लेकिन अब यदि नरेंद्र मोदी भी इसे करने में चूक गए तो इतिहास उन्हें भी कतई माफ नहीं करेगा।

आप मानें या न मानें, पर आतताइयों को उनकी मांद में ठोक देना ही राजधर्म है, लेकिन श्स्क्तरंजितश न्यायपालिकाएं इसे अनुचित ठहराएँगी। यहां पर मैं 'रक्तरंजित' न्यायपालिकाएं की उपमा इसलिए दे रहा हूँ, क्योंकि संविधान की संरक्षक संस्थाओं के तौर पर ये अपनी ऐतिहासिक भूमिकाओं के निर्वहन में सर्वथा विफल प्रतीत होती आई हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार और सामाजिक असुरक्षा के लिए इनकी नीतियां व निर्णय भी जिम्मेदार हैं। ये कानून तोड़ने के नाम पर ये किसी को फांसी या आजीवन कारावास की सजा तो दे देती हैं, लेकिन जब प्रशासनिक विफलताओं के चलते जनसंहार या अत्याचार–अनाचार होता है तो इसमें शामिल भीड़ व हाथ पर हाथ धरे बैठे प्रशासनिक हुक्मरानों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर उन्हें दंडित करने का माकूल प्रयास इन्होंने कभी किया ही नहीं, अन्यथा ऐसा असुरक्षित माहौल कदापि नहीं दिखता।

यहां पर मैं भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि में घटित सांप्रदायिक दंगों, जातीय उन्मादों, अंतहीन आतंकी वारदातों, अंडरवर्ल्ड गिरोहों की कारिस्तानियों की संख्या गिनाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, बल्कि यह सिर्फ बताने या आगाह करने की कोशिश कर रहा हूँ कि अपनी सुरक्षा के लिए सरकार और प्रशासन के भरोसे बैठना सबसे बड़ी मूर्खता है। इसलिए खुद ही ऐसे उपाय ढूंढने होंगे जिससे जातीय व धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ साथ बहुसंख्यक भी सुरक्षित रह सकें।

वहीं, भारत सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि पाकिस्तान और बंगलादेश से सभी हिंदुओं को वापस बुलाए और बंगाल–केरल–कश्मीर में सक्रिय श्आततायिोंश को पाकिस्तान भेजने की व्यवस्था करे, ताकि इस उपमहाद्वीप में हिन्दू–मुस्लिम फसाद को सदा–सर्वदा के लिए रोका जा सके। या फिर हिन्दू–मुस्लिम उत्पीड़न की सिलसिलेवार वारदातों को रोकने की मुकम्मल व्यवस्था करे। भारत में भी अल्पसंख्यकों को उतने ही अधिकार मिले, जितने कि पाकिस्तान या बांग्लादेश के अल्पसंख्यक उपभोग कर रहे हैं। न्याय का तकाजा और जैसे को तैसा का सिद्धांत तो यही कहता है, बाद बाकी आपकी मर्जी, जो खुदगर्जी ज्यादा प्रतीत होती आई है।

युवा दिवसः आशाओं पर टिका आकाश

–संजीव ठाकुर–

भारत ने युवाओं के दम पर पेरिस ओलम्पिक में एक सिल्वर और चार ब्रॉन्ज कुल पांच पदक जीत कर खेलों की दुनिया में परचम लहराया है,आने वाले समय मे ये ही युवा पदकों की शृंखला भी जीत कर लाएंगे ऐसी आशा बलवती हुई है एक बहुत अच्छी कहावत है कि 'आशाओं पर आकाश टिका हुआ है' और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है।वैश्विक स्तर पर भारत देश को युवा जनसंख्या का सरताज देश माना जाता है। भारत के नौजवानों की क्षमता का लोहा अमेरिका, ब्रिटेन,फ्रांस, कनाडा, इजरायल और अन्य पश्चिमी देश मानते हैं। विश्व में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं जहां भारत की युवा जनसंख्या ने अपना परचम ना फैलाया हो। इसीलिए नेपथ्य के परिदृश्य में यह आवाज सदैव बुलंद होती है कि युवा देश के युवा नागरिकों आगे बढ़ो दुनिया को मुट्ठी में कर लो, भविष्य हमेशा तुम्हारा है और रहेगा। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है।

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 145 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो या खेल का मैदान हो, सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला अवयव होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार–चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।

सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड–19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की सामाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

कृषि क्षेत्र में रोजगार की संभावनायें

–अशोक जोशी–

अब कृषि वैज्ञानिकों की सलाह पर खेती का सिलसिला चल पड़ा है। इस लिहाज से कृषि विज्ञान में कैरियर के अवसर बहुत है, जिसमें अनुसंधान और विकास से लेकर उत्पादन, प्रबंधन और नीति–निर्माण तक की भूमिकाएं शामिल है। बता दें कि कृषि में जहां कृषि उत्पादों का उत्पादन, प्रसंस्करण और वितरण शामिल है वहीं खेती और पशुपालन से लेकर खाद्य प्रसंस्करण और वितरण तक की कई गतिविधियां शामिल हैं। कृषि में कैरियर की तरफ छात्रों का रुझान इसकी बढ़ती पॉपुलैरिटी भी है। दरअसल कृषि देश में आने वाले अनाज और खाद्य पदार्थों की मांग को पूरा करती है। बढ़ती आबादी के साथ भोजन की मांग बढ़ रही है जिससे एग्रीकल्चर से जुड़ी तकनीकों में वृद्धि की मांग भी बढ़ गई है। बेहतर तकनीक के साथ–साथ बेहतर प्रोडक्शन और ग्रोथ के लिए मैन पॉवर का स्किल्ड व नये आइडिया से लैस होना भी आवश्यक है।

कृषि विज्ञान खाद्य और अन्य वस्तुओं के व्यवस्थित और नियंत्रित तरीके से उत्पादन का अध्ययन है। इस क्षेत्र में खेती, बागवानी और कृषि–व्यवसाय गतिविधियों का प्रबंधन शामिल है। यह देश के कृषि परिदृश्य और उसके कृषि उद्योग की जानकारी भी देता है। यह खेतों के वित्त पोषण और संबंधित बैंकिंग गतिविधियों, कृषि उत्पादों की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से अनुसंधान और विकास आदि का भी अध्ययन करता है।

कृषि वैज्ञानिक फसलों और जानवरों की उत्पादकता और स्थिरता को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान और प्रयोग करते हैं। प्रसंस्करण, पैकेजिंग और वितरण के लिए बेहतर तरीके विकसित करने के साथ–साथ नए खाद्य उत्पाद भी बनाते हैं। ये वैज्ञानिक समुदाय और नीति निर्माताओं के साथ समन्वय में अनुसंधान कार्य करते हैं। इनकी कार्य जिम्मेदारियों में क्षेत्र की जांच, मृदा प्रबंधन और बाजार विश्लेषण शामिल हैं। ये किसानों को नेतृत्व और कृषि संबंधी जानकारी भी प्रदान करते हैं। कुशल फसल उत्पादन प्राप्त करने व मिट्टी का नमूना लेने में मदद करते हैं।

ये बिजली आपूर्ति, सुविधा और भवन उपयोग, मशीनरी दक्षता, प्रदूषण, पर्यावरण संबंधी चिंताओं और कृषि वस्तुओं के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण के लिए समाधान प्रदान करते हैं। फसल सलाहकार पौधों और मिट्टी के जानकार होते हैं। ये किसानों के साथ मिलकर काम करते हैं और बदलते मौसम के दौरान होने वाली समस्याओं के लिए उनके खेतों की निगरानी करते हैं। कीट नियंत्रण, रोग उपचार, बीज और उर्वरक सलाह देते हैं।

इनका काम फसलों और जानवरों का निरीक्षण करने के लिए विभिन्न प्रभागों का दौरा करना और मिट्टी–पानी के परीक्षण करना है। वे फसलों, उर्वरकों, कीटनाशकों और अन्य आपूर्तियों का दैनिक पुनः भंडारण बनाए रखते हैं वहीं मरम्मत और मशीनरी प्रतिस्थापन की योजना बनाते हैं। भोजन के सभी मूल तत्वों का अध्ययन करना उन पहलुओं में से एक है जिस पर खाद्य वैज्ञानिक काम करते हैं। वे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को स्वस्थ बनाने और विभिन्न पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के तरीके खोजते हैं।

कृषि अर्थशास्त्री कृषि का अध्ययन व्यवसायिक संदर्भ में करते हैं, जिसमें यह शामिल होता है कि उत्पादों का उपभोग, विकास, वित्तपोषण, वृद्धि, विपणन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और परिवहन कहां किया जाता है।

जानलेवा हुआ राप्ती नदी का कटान, खुद अपना मकान तोड़ रहे हैं लोग, मौके पर पहुंचे विधायक और डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना के कुम्हारगढ़ी के मजरा टेंडवा में विगत तीन दिनों से राप्ती नदी कटान कर रही है। अब तक बारह मकान नदी की कटान की भेंट चढ़ चुके हैं। राप्ती और घरों को अपनी आगोश में लेने के लिए कटान करते हुए आगे बढ़ रही है। दहशत में आए ग्रामीण स्वयं अपने हाथ अपना आशियाना तोड़ रहे है। जानकारी के बाद डीएम ने एसडीएम व स्थानीय विधायक के साथ गांव पहुंच कर जायजा लिया। राप्ती नदी का जलस्तर रविवार दूसरे दिन भी जमुनहा के राप्ती बैराज पर 127.50 सेंटीमीटर पर स्थिर है। ऐसे में नदी की धाराएं इकौना तहसील व विकास क्षेत्र के टेंडवा गांव में तेजी से कटान कर रही है। जिसकी चपेट में आने से रामनोहर पुत्र छांगुर, रामगोपाल व राममूरत पुत्रगण साधू, बबलू पुत्र राधिका, विनय पुत्र रामगोपाल सहित कई अन्य लोगों के घर कट कर नदी में विलीन हो चुके हैं। वहीं राप्ती अखिलेश व बिंदेश्वरी पुत्रगण रामनरेश, गोपाल पुत्र सत्यनारायण, महेश पुत्र छांगुर सहित छह लोगों के घरों को काट कर अपनी धारा में मिलाने के लिए तेजी से कटान कर रही है। जिससे दहशत में आए ग्रामीण स्वयं अपने हाथ अपना आशियाना तोड़ रहे हैं। बाढ़ व कटान की सूचना के बाद रविवार का श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय व एसडीएम इकौना ओम प्रकाश के साथ पहुंचे डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने मौके पर स्थिति का जायजा लिया।

रविवार को मौके पर स्थानीय विधायक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गांव में जिन ग्रामीणों का मकान कटा है। उन्हें आवास मुहैया कराया जाएगा। जिनके पास जमीन नहीं है, उन्हें तहसीलदार से कह कर भूमि मुहैया कराई जाएगी। पीड़ित परिवार को 24 घंटे के अंदर मुआवजा (क्षतिपूर्ति) दिलाने के साथ ही प्रभावित परिवारों को राशन सहित सरकार से मिलने वाली अन्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। वहीं गांव को कटान से बचाने के लिए बाढ़ खंड को तत्काल अस्थायी प्रबंध करने को कहा गया है।

डीएम, अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि कटान से प्रभावितों को लगातार सहायता राशि मुहैया कराई जा रही है। शेष लोगो को अगले चौबीस घंटों में सहायता राशि उपलब्ध करा दी जाएगी। पूर्व में तीन लोगों का मकान कट गया था जिनको एक लाख बीस हजार की आर्थिक सहायता राशि दी जा चुकी है। शेष प्रभावितों को जल्द ही सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

जद्दोजहद के बाद अंतिम संस्कार को राजी हुए परिजन

संवाददाता–श्रावस्ती। एक महिला की रिश्तेदारी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पुत्र ने अपनी पत्नी समेत दो लोगों पर हत्या का आरोप लगाया और पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजनों ने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। पुलिस व परिजनों के बीच घंटो चले जद्दोजहद के बार परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। सिरसिया थाना क्षेत्र के सचौली गांव निवासी शायरा बना (54) पत्नी इदरीश शनिवार को बहू को शाकरीना पत्नी फिरोज को लेकर सीएचसी सिरसिया में इलाज कराने गई थी। जहां बहू सास को अकेला छोड़कर अपने मायके इसी थाना क्षेत्र के कुथनी गांव चली गई। काफी देर प्रतीक्षा करने के बाद शायरा भी कुथनी पहुंच गई। बहू के पिता ददन दोपहर बाद शायरा का शव लेकर उसके घर सचौली पहुंचे। जहां पूंछताछ के दौरान एकत्र भीड़ हमलावर हो गई थी। बेटे फिरोज की तहरीर पर पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। रविवार दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव घर लाया गया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक गौरव सिंह टीम के साथ सचौली पहुंचे। पुलिस व लोगों के बीच घंटो तक जद्दोजहद होती रही। लेकिन परिजन मामला दर्ज करने व दो लोगों का नाम बढ़ाने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस के अश्वासन के बाद परिजन अंतिम संस्कार करने को राजी हो गए। मृतका के पुत्र फिरोज ने अपने ससुर ददन, अपनी पत्नी शाकरीना, सास फूलजहां व साले कुद्दन के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

आश्रम पद्धति विद्यालय का मेस संचालक गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। देवरिया के आश्रम पद्धति विद्यालय के मेस संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आश्रम पद्धति विद्यालय मेहरौना में विषाक्त भोजन से 80 छात्रों के बीमार होने और एक छात्र की मौत के बाद बरियारपुर थाने में जिला समाज कल्याण अधिकारी की तहरीर पर संचालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत आधा दर्जन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से वह फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद रविवार को पुलिस ने उसे कोर्ट में चालान किया, जहां से जेल भेज दिया गया। गोरखपुर के चौरी चौरा वार्ड नंबर 7 निवासी राजेश गुप्ता मेसर्स कन्हैया इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म का संचालक है। उसे रामपुर कारखाना ब्लॉक क्षेत्र के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय मेहरौना में मेस संचालन का टेंडर मिला था। गत 4 अगस्त को दोपहर में बना पूरी और छोला संचालक ने रात में भी जबरन छात्रों को खिला दिया। इसके बाद रात से ही छात्र पेट दर्द, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत करने लगे। मामले को मेस संचालक और कॉलेज प्रशासन ने 5 अगस्त की दोपहर तक दबाए रखा। बच्चों की तबीयत अधिक खराब होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज देवरिया में भर्ती कराया गया। एक साथ 80 छात्रों के बीमार पड़ने से जिला समाज कल्याण, शिक्षा विभाग और प्रशासन में हड़कंप मच गया।

इलाज के दौरान 7 अगस्त को बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में कक्षा 8 के छात्र शिवम यादव (15) पुत्र सदानंद यादव निवासी भैसहिया रामनगर थाना फरेंदा महराजगंज की मौत हो गई। इसके बाद मामले में शासन के सख्त रुख अपनाने के बाद आनन–फानन में उसी दिन निदेशक समाज कल्याण के निर्देश पर प्रधानाचार्य सूर्यकांत राय को निलंबित कर दिया गया। वहीं बरियारपुर पुलिस ने जिला समाज कल्याण अधिकारी जैसवार लाल बहादुर की तहरीर पर मेस संचालक राजेश गुप्ता के खिलाफ धारा 105, 125, 223, 271, 272 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया।

एफआईआर के बाद से ही आरोपी मेस संचालक फरार चल रहा था। बरियारपुर के थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बैकुंठपुर देवरिया रोड के पड़री मल्ल मोड़ के पास से उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

दोस्तों की ओर घूमी शक की सुई, कइयों को उठाकर पूछताछ

संवाददाता–गोण्डा। नाग पंचमी त्योहार की तैयारी को लेकर घरेलू सामान लाने के लिए गुरुवार को निकला विशंभरपुर निवासी युवक की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया गया था। इस मामले में अब शक की सुई उसी के दोस्तों की ओर घूम गई है। पुलिस पांच लोगों को उठाकर पूंछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा। कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। उधर, रविवार को एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत ने भी घटनास्थल का दौरा कर जायजा लिया है और घटना का खुलासा करने का निर्देश दिया है। धानेपुर थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर के रहने वाले राधेश्याम पासवान ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि उनका बेटा जितेंद्र पासवान (30) नाग पंचमी त्योहार को लेकर घरेलू समान लाने के लिए बीते 8 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे घर से निकला था लेकिन रात तक घर नहीं लौटा। पड़ोस में पूछने पर उसके चाचा राम मनोहर व भाई धनीराम ने बताया कि मैंने देर शाम जितेन्द्र को धानेपुर बाजार से विशंभरपुर रोड पर टावर के पास शोभाराम मौर्य निवासी चकिया ख्वाजा जोत,कौशल चौहान, पुष्पा चौहान व जनकराम निवासी गण गौरहा विशंभरपुर व अन्य साथी के साथ देखा था। काफी खोजबीन पर जब पता नहीं चला तो शुक्रवार को इसकी जानकारी धानेपुर थाने पर दी गई। पुलिस ने युवक के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी थी। राधेश्याम के मुताबिक वह जब आरोपियों के घर पूछने के लिए गये तो आरोपी घर पर नहीं थे। इस पर शनिवार देर शाम पुलिस को तहरीर देकर बेटे की हत्या कर शव छिपाने का अंदेशा जताया जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या कर शव छिपाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। हालांकि शनिवार की देर शाम युवक का शव नगर पंचायत धानेपुर के कल्याण नगर मोहल्ले के बुल्का माई थान के पास गन्ना खेत के पास से क्षत विक्षत अवस्था में बरामद किया गया। थानाध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर पति–पत्नी सहित चार नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अहम सुराग हाथ लगे हैं, जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

विशंभर पुर निवासी जितेंद्र पासवान की हत्या के मामले में जब परिजन साथ में दिखे दोस्तों के घर पहुंचे तो वह नहीं मिले। जिसके बाद शक गहरा गया। इसके बाद आरोपी के घर की कुछ महिलाएं जीप पकड़कर गोंडा जाते देखी गई। इस पर लोगों ने पीछा किया तो उन्हें लखनऊ जाने वाली बस पर सवार होते देखा गया। लोगों ने उन्हें रोका और पुलिस को सूचना दी।जिस पर उन्हें हिरासत में लेने के बाद एक नाम सामने आया फिर एक – एककर आरोपियों के नाम सामने आते गए जिससे पुलिस की राह आसान हो गई। अब तक पुलिस जांच में यह बात सामने आई कि मृतक इलाके में ईंट भट्ठा पर काम करता था। नाग पंचमी त्योहार को लेकर उसे चार दिन पहले पैसा मिला था। पत्नी मायके गई हुई थी। इस पर उसने नयी साइकिल खरीदा था और इसी नयी साइकिल से ससुराल जाने की योजना थी। लेकिन गुरुवार को आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी बल्कि चार हजार की साइकिल को औने–पौने दामों में महज 1900 रुपए में एक व्यक्ति को बेच दिया।

रसिक उपासना के विलक्षण संत थे रामकशोरशरण महाराज–रामप्रिया शरण

भारतीय बस्ती संवाददाता–
अयोध्या। परमाचार्य 1008,परम सिद्ध रसिक परम्परा के विलक्षण सन्त श्री श्री रामकिशोरशरणजी कोठा सरकार की पुण्यतिथि रसमोद कुंज अयोध्या में वर्तमान महंत रामप्रिया शरण जी महाराज के संयोजन में मनाई गई। महाराज जी ने बताया रसिक सन्तो के सिरमौर कोठा सरकार सन्त मंडली में सायंकाल में श्री सीताराम नाम का कीर्तन करते हुए श्री कनकभवन दर्शन को जाया करते थे और नित्य नियम से श्री ठाकुर जू के सामने नाम संकीर्तन तथा उत्सव के पदों का गायन होता था खूब प्रसादी बंटती थी,वर्ष भर उत्सवों का ताता लगा रहता था और श्री चन्द्रकलाजी की जयन्ती पर तो श्री महाराज जी का उत्साह देखते ही बनता था।श्री हनुमतनिवास की पूर्वी छत पर विराजते थे,इसीलिए उनका एक नाम श्री कोठा सरकार भी प्रसिद्ध हैं।

श्री महाराज जी, श्री हनुमतनिवास के बड़े महाराज जी श्री गोमतीदास (श्री मधुरलताजू) जी महाराज के सम्बन्ध शिष्य थे।पहले आपकी शरणागती किन्हीं रसिक सन्त से हुई थी,परन्तु उनके साकेतवास के उपरांत आपने श्री गोमती दास जी से श्री सीताराम जी के श्रृंगार रस रहस्य की दीक्षा ली थी।आपने कई छोटे छोटे ग्रंथो की रचना भी की है और आपने अपने लिए कोई भी स्वतंत्र स्थान निर्माण नहीं किया।श्री रसमोद कुंज की स्थापना श्री कोठा सरकार के करकमलों द्वारा ही हुई है। श्री महाराज जी ने बताया कोठा सरकार की पुण्यतिथि के साथ मंदिर में तुलसीदास जी महाराज की 527 वी जयंती भी मनाई गई और श्रावण मास की तृतीया तिथि से पूर्णिमा तिथि तक मंदिर में नित्य सावन झूला महोत्सव भी मनाया जा रहा है।

पारिवारिक विवाद के पंचायत में शामिल होने आया था, सुबह फंदे से झूलता शव मिला

संवाददाता–देवरिया। बरहज थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक का शव घर के कमरे में फंदे से झूलता मिला। युवक पारिवारिक विवाद में घर में होने वाली पंचायत में भाग लेने महाराष्ट्र से घर आया था। शाम को घर में पंचायत हुई और इसके बाद सभी खाना खाकर सोने चले गए। सुबह युवक का शव उसके कमरे में कुंडी से लटकते मिला। परिजनों की सूचना पर मौके पर आई पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पीएम के लिए भेज दिया।

बड़का गांव निवासी रंदीप तिवारी(28) पिता संतोष तिवारी महाराष्ट्र में निजी नौकरी करते थे। एक कंपनी में मैनेजर के पद पर थे। शनिवार को घर में एक परिवारिक विवाद में पंचायत होनी थी। दोपहर में संतोष गांव पहुंचे। शाम की पंचायत में शामिल हुए। इसके बाद खाना खाने के बाद सोने चले गए।

सुबह में उनका शव उनके कमरे में फंदे से लटका मिला। इसके बाद परिजन चिखने–चिल्लाने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रंदीप की शादी भलुअनी थाना क्षेत्र के गढ़हवा में वर्ष 2021 में हुई थी। उन्हें ढाई वर्ष का पुत्र रुद्रांश है, जो पिता की मौत के बाद रोए जा रहा था।

चर्चा है कि शादी के बाद रंदीप की पत्नी से उनका विवाद अक्सर होते रहता था। परिजनों से पत्नी की नहीं बनती थी। इसी बात को ले शनिवार को पंचायत बुलाई गई थी। पंचायती के बाद उसकी पत्नी बच्चे को लेकर मायके चली गई। इसी बीच रविवार की सुबह रंदीप का फंदे से लटका शव मिला। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है।

पीएचसी जमुनहा में हुआ आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन

संवाददाता–श्रावस्ती। जरूरतमंदों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य मेले के आयोजन की पहल की गई है। रविवार को सीएमओ डा. एपी सिंह की ओर से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जमुनहा में आयुष्मान आरोग्य मेले का शुभारम्भ किया। इस दौरान अलग अलग स्टाल लगाकर जांच की गई और दवाओं का वितरण क्या गया। ब्लड जांच, ब्लडप्रेशर जांच, गर्भवती महिलाओं की जांच समेत कुल 10 स्टाल लगाए गए। आयोजित मेले में सैकड़ों लोगों ने अपने स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान कराया। सीएमओ ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मेले में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई। इनमें प्रमुख रूप से सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच, महिलाओं व बच्चों की विशेष जांच, दवाओं का वितरण, मेले में आए हुए लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलने वाले गोल्डन कार्ड की जानकारी दी गई। इसके साथ ही बच्चों के लिए टीकाकरण और सामान्य स्वास्थ्य जांच की भी व्यवस्था की गई थी। सीएमओ ने कहा कि आरोग्य स्वास्थ्य मेले में लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्या का समाधान मिलेगा। जब भी यह मेला लगे तो लोग मेले में पहुंचकर लाभ उठाएं। इस मौके पर डा. सावंत राव स्वामी, डाक्टर सुमन बाबू, डाक्टर दीपिका, डाक्टर दिवाकर सिंह, डा. विजय भारत, फार्मासिस्ट देवराज लाल, एएनएम सुषमा मिश्रा, स्वेता मिश्रा, सीएचओ मोनिका देवी, रश्मी द्विवेदी, अंकित कुमार, यमुना प्रसाद, ज्योती आदि मौजूद रहे।

35 हजार सदस्यों को जोड़ने का आप ने दिया लक्ष्य

संवाददाता–गोण्डा। आगामी संसदीय चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी ने रविवार को संगठन की समीक्षा की। सिंचाई डाक बंगला में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये। जिला प्रभारी अभिषेक प्रताप सिंह ने समीक्षा की, कहा कि गोंडा जिले में 35 हजार सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। जिला कार्यकारिणी को अक्तूबर तक समय दिया गया है। साथ ही साथ विधानसभा स्तर पर जन समस्याओं को लेकर और घटित घटनाओं पर निरंतर प्रदर्शन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष उत्तम नागेश ने अक्टूबर तक सदस्यता अभियान पूरा करने भरोसा दिलाया। बैठक में दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के रिहाई पर पदाधिकारियों ने खुशियां जताई। की। बैठक में कई लोगों को सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिग्गज पांडे प्रदेश उपाध्यक्ष बौद्ध प्रांत, शिवम सिंह, किशोर चन्द भारती, सुरजीत वर्मा, डॉ मनोज मिश्रा, संजय कुमार पाठक, रामभूर्ति सोनी, मनीराम वर्मा, विकास ओझा, राजू वाल्मीकि कोहिनूर, अजय कुमार मिश्रा उर्फ अज्जू पंडित आदि रहे।

हर घर तिरंगा का प्रचार कर रही भाजपा, चलाया अभियान

संवाददाता–बलरामपुर। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व हर घर तिरंगा अभियान के उपलक्ष्य में रविवार को भाजपा युवा मोर्चा की ओर से नगर मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा सिटी पैलेस से प्रारम्भ होकर तुलसीपार्क स्थित अटल भवन जिला भाजपा कार्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। सदर विधायक पलटूराम व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह की अगुवाई में तिरंगा यात्रा सिटी पैलेस से शुरू हुई। यात्रा बड़ा पुल चौराहा, देवीदयाल तिराहा, गर्ल्स इंटर कालेज चौराहा, चौक बाजार, सब्जी मंडी, सराय फाटक, वीर विनय चौराहा से होते हुए तुलसीपार्क स्थित अटल भवन जिला भाजपा कार्यालय पहुंची। यात्रा के दौरान कार्यकर्ता भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिंद का जयघोष करते रहे। तिरंगा यात्रा में भारी संख्या बाइक के साथ कार्यकर्ता हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर शामिल हुए। सदर विधायक पलटूराम ने कहा कि तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के प्रति लोगों में सम्मान की भावना को बढ़ाना है। सभी को चाहिए है स्वतंत्रता दिवस पर अपने घर पर तिरंगा फहराएं। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक विधानसभा में युवा मोर्चा की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। रविवार को नगर मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली गई है। इसी के बाद तुलसीपुर, गैसड़ी व उतरौला तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी, जिला महामंत्री वरुण सिंह मोनू, कार्यक्रम संयोजक अक्षय शुक्ला, भाजयुमो क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य एकता जायसवाल, जिला मीडिया संयोजक अवधेश पांडेय, नगर अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गुप्ता, सलिला सिन्हा, तरंग श्रीवास्तव, अजीत ओझा, संत प्रकाश, कुशाग्र सिंह, अभिषेक सिंह सहित तमाम सभासद गण व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीराम के जन्म का उद्देश्य मर्यादा स्थापित करना था –महंत गणेश दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
अयोध्या। भए प्रगट कृपाला दीनदयाल कौशल्या हितकारी हरषित महतारी मनि मन हरि अदभुत रूप बिचारी जैसे ही व्यास पीठ से राम कथा के मर्मज्ञ श्री अवध बिहारी कुंज मंदिर के पीठाधीश्वर याज्ञीक सम्राट श्री महन्त श्री श्री 1008 श्री गणेशदास महाराज लश्करी ने भगवान श्री राम के जन्म की स्तुति को गाया पूरा राघव मंदिर परिसर में उपस्थित भक्त भगवान श्री राम के जन्मोत्सव में डूब गये,ऐसा लग रहा था की त्रेता युग के शुक्ल पक्ष की चौत्र रामनवमी आज ही हो और प्रभु श्री राम अयोध्या के पावन धरती पर अवतार लिए हो। मौका था अयोध्या के राघव मंदिर में नौ दिवसीय श्री राम कथा में प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव का। महाराज जी ने बताया की कौशल्या जी ने जब प्रभु श्री राम का यह अदभुत रूप देखा तो विनती करने लगी और कहने लगी यह प्रभु मैंने आपको बालक के रूप में मांगा था, तब प्रभु श्री राम बाल रूप में आकर के रोने लगे और पूरे महल में यह हल्ला हो गया कि राजा दशरथ के यहां पुत्र ने जन्म लिया है दासी राजा दशरथ के पास पहुंची और शुभ समाचार बताया राजा दशरथ ने सभी राशियों को मोतियों का हर दिए और पूरे अयोध्या नगर में बधाइयां बजने लगी ब्राह्मणों को दान दिया जाने लगा ऐसा लग रहा था कि पृथ्वी के पालनहार और पृथ्वी से राक्षसों का संघार करने वाले प्रभु श्री राम अवतरित हो गए। श्री महाराज जी ने बताया कि भगवान श्री राम के जन्म का उद्देश्य केवल राक्षसों का वध नहीं था बल्कि भारत भूमि पर मर्यादा की स्थापना करनी थी समाज में बहुत सारी कुरीतियां थी जिसको प्रभु श्री राम ने अवतार लेकर के किया। प्रभु श्री राम ने समाज में एक मर्यादा स्थापित की पति के जीवन में पत्नी का क्या स्थान है, पिता के जीवन में पुत्र का क्या स्थान है, भाई के जीवन में भाई का क्या स्थान है और राजा के जीवन में प्रजा का क्या स्थान और कैसे मर्यादा पूर्वक प्रजा का पालन किया जाता है। युग बीत गए लेकिन आज भी जब आदर्श राज्य का उदाहरण दिया जाता है तो प्रभु श्री राम के अलावा और कोई क्योंकि उन्होंने राम राज्य की स्थापना करके यह बताया की राजा का क्या कर्तव्य है इसलिए प्रभु श्री राम का जो प्रमुख उद्देश्य जन्म का था वह तपोभूमि भारत में मर्यादा की स्थापना करना था उसके पीछे अनेकों कार्य थे जो जन्म के बाद प्रभु श्री राम ने पूरा किया। श्री राम कथा का आयोजन श्री बलराम सत्संग मण्डल, लालसोट दौसा राजस्थान द्वारा कराया जा रहा है।

आरोग्य स्वास्थ्य मेले 1303 मरीजों का हुआ उपचार

संवाददाता–बलरामपुर। रविवार को जिले के 24 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महुआ बाजार में स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण किया। जिले में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में कुल 1303 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान किया गया। इस मौके पर अधीक्षक डॉ. शोएब अहमद सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

मनोहरी कजरी से गुंजायमान हो रही है श्रीराम नगरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली में धीरे–धीरे सावन झूला उत्सव का उमंग बढ़ता जा रहा है देश के कोने–कोने से लाखों श्रद्धालु अयोध्या में पहुंच रहे हैं और मंदिरों में ठाकुर जी झूले पर विराजमान होकर के सभी को अपना सानिध्य एवं आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं। वही शाम होते ही मंदिरों से हारमोनियम तबले और ढोल कि थाप गुंजायमान हो उठती है और संगीत की मधुर धुन से पूरी अयोध्या संगीत रस माधुरी आनंद में सराबोर हो उठती है।श्री राम लला के परकोटे में स्थित श्री वेद मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामनरेश दास के सानिध्य में झूलनोत्सव पूरे शबाब पर है, श्रावण मास की पंचमी तिथि को ठाकुर जी झूले पर विराजमान हुए और इसका समापन पूर्णिमा को होगा मंदिर परिसर में देश विदेश से आए श्रद्धालु।.. सावन की बरसे ठंडी फुहार, पेड़ो में लगी है झूले की कतार. ..झूला झूल रहे रघुवर सरकार गिजे भक्ति माई पदों का आनंद ले रहे है। महंत राम नरेश दास ने बताया की अयोध्या में झूलनोत्सव की परंपरा अनादिकाल की है और भक्ति रस से सराबोर होती है देश के कोने–कोने से आए श्रद्धालु आनंद लेते हैं।

श्री महाराज जी ने बताया कि वेद मंदिर में भगवान का झूलनोत्सव की परंपरा पूर्वाचार्य गुरुजनों द्वारा बनाई गई है इस परंपरा का निर्वाह करते हुए प्रत्येक वर्ष पंचमी तिथि को ठाकुर जी को झूले पर विराजमान किया जाता है आरती की जाती है पद गायन कर उनको रिझाया जाता है, जिसमें मंदिर के कलाकारों के साथ देश के कोने–कोने से आए हुए कलाकार शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक ठाकुर जी को पद सुनाया जाता है उसके उपरांत आरती होती है और फिर झूले का विश्राम होता है यह क्रम प्रत्येक दिन शाम 6 बजे से रात्रि 9 तक चलता है। श्रावण पूर्णिमा को झूलनोत्सव का समापन होगा। इस अवसर पर रामायणी गोवर्धन दास सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

कोटे में कोटा पर जताया विरोध

संवाददाता–गोण्डा। एससी–एसटी वर्ग के लोगों की बैठक रविवार को गांधी पार्क में प्रवक्ता रमेश विमल के संयोजन में आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जाति संबंधित प्रावधान 341 पर विस्तृत चर्चा हुई एवं अनुसूचित जनजाति संबंधित प्रावधान 342 पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने अनुसूचित जाति जनजाति कोटे में कोटा बनाने के निर्णय की भर्त्सना की गई। तय किया गया कि 21 अगस्त को गांधी पार्क में इकट्ठा होकर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि आरक्षण को खत्म करने का कुचक्र किया जा रहा है। इसका पुरजोर विरोध जरुरी है। बैठक में जनपद से कोने–कोने से एससी एसटी ग्रुप के बुद्धिजीवी शिक्षक कर्मचारी एवं महिलाएं भी शामिल हुईं। बैठक में रोशन लाल, छोटे लाल,अनिल सिंह,महेन्द्र मित्र,पीताम्बर चौधरी, राजकुमार ,ओमप्रकाश पासवान ,शिव कुमार, रवि प्रकाश गौतम ,सुधाकर प्रसाद ,बाबूराम आर्य, रमाकांत ,भगवानदीन, संजीव चौधरी, बिपिन चंद्र वर्मा, टीपी अशोक, नंदकिशोर वर्मा ,ज्ञानचंद कुलदीप, हर कीर्तन आदि ने प्रति भाग किया।

तालाब में उतराता मिला महिला का शव

संवाददाता–गोण्डा। कोल्हमपुर चौकी क्षेत्र मे रामापुर गांव के मजरे भैंसा के किनारे स्थित तालाब मे रविवार के अपराह्न महिला का उतराता हुए शव चरवाहों ने देखा। सूचना पाकर तमाम ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पुलिस की काफी कोशिश के बाद शव की शिनाख्त नहीं पाई। गांव के चौकीदार आशाराम के लिखित सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। चौकी प्रभारी अमर सिंह ने बताया शव के शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने बताया की मृतक महिला की आयु 32 वर्ष के आसपास की है। शव पानी में पड़े रहने की वजह से पूरी तरह से फूल गया था, त्वचा का ऊपरी परत शरीर से हट गया था। लाश से भयंकर दुर्गन्ध आ रही थी।

रामापुर गांव का भैंसा मजरा बस्ती जिले सीमा पर स्थित है रविवार को मजरे से सटे तालाब मे मिले शव की शिनाख्त कराना पुलिस के लिए चुनौती बन गई है क्योंकि तालाब का दूसरा किनारा बस्ती जिले के सीमा से लगा है। महिला के शव को पड़ोसी जिले से लाकर सीमावर्ती क्षेत्र मे स्थित तालाब मे फेंक दिए जाने की भी संभावना है। बहरहाल पुलिस शिनाख्त कराने के साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार कर रही है ताकि उसकी मौत के कारण का भी जानकारी हो जाए।

पुण्य तिथि पर याद किये गये खुदीराम बोस

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। आर्य समाज बस्ती द्वारा आयोजित साप्ताहिक यज्ञ के क्रम में आर्य समाज नई बाजार बस्ती में प्रधान ओम प्रकाश आर्य के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन में अपने जीवन की आहुति देने वाले अमर हुतात्मा खुदीराम बोस की पुण्य स्मृति में वैदिक यज्ञ किया गया।

कार्यक्रम में गरुण ध्वज पाण्डेय मंत्री आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि खुदीराम बोस भारतवर्ष के युवाओं के हृदय में एक प्रेरणा स्रोत के रूप में विद्यमान रहेंगे। बालक खुदीराम के मन में देश को आजाद कराने की ऐसी लगन लगी कि नौवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाई छोड़ दी और स्वदेशी आन्दोलन में कूद पड़े। छात्र जीवन से ही ऐसी लगन मन में लिये इस नौजवान ने हिन्दुस्तान पर अत्याचारी सत्ता चलाने वाले ब्रिटिश साम्राज्य को ध्वस्त करने के संकल्प में अलौकिक धैर्य का परिचय देते हुए पहला बम फेंका और मात्र 19 वें वर्ष में हाथ में भगवतगीता लेकर हँसते–हँसते फाँसी के फन्दे पर चढ़कर इतिहास रच दिया। इस अवसर पर यज्ञ कराते हुए शिक्षक नितीश कुमार ने लोगों को बताया कि आज पूरा देश खुदीराम बोस को उनके त्याग और बलिदान के लिए याद कर रहा है। भारतवासी उनके प्रति हमेशा कृतज्ञ रहेंगे।

भारत स्वाभिमान के कोषाध्यक्ष नवल किशोर चौधरी ने सबको यज्ञ और राष्ट्ररक्षा के लिए संकल्प दिलाया। इस अवसर पर नितीश कुमार, दिलीप कुमार, शिव श्याम, राज पासवान, दुर्गा अग्रहरि, गणेश आर्य, अंशी जायसवाल, निधि गौतम, विश्वनाथ आर्य, पुनीत राज, परी, राधा देवी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन के खतरों पर विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। उत्तर प्रदेश में स्वैच्छिक संस्थानों का नेटवर्क साथी उत्तर प्रदेश व साथी फोरम बस्ती के संयुक्त तत्वाधान में बदलते पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विषय पर बैठक का आयोजन बेसिल भवन बस्ती पर आयोजित किया गया । बैठक मे बस्ती साथी फोरम से जुड़े स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

साथी संयोजक डीयस सिंह ने कहा कि पर्यावरण में बदलाव से आम जन– जीवन प्रभावित हो रहा है । यह बड़ी चिंता की बात है, इसका मुख्य कारण मनुष्य द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन है । प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को कम करने हेतु आम जन समुदाय को जागरूक करना होगा । साथी उत्तर प्रदेश के प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि इस वर्ष भीषण गर्मी से आम जनजीवन त्रस्त हो गया था और जुलाई माह लगते ही भयंकर बाढ़ आ गई । पर्यावरण के संतुलन हेतु हम सबको आगे आना होगा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा साथ ही रोपित किए गए पौधों की सुरक्षा करने की भी जिम्मेदारी उठानी होगी । राधेश्याम चौधरी ने कहा कि डीजल पेट्रोल से चलने वाली वाहनों वह मशीनों से कार्बन उत्सर्जन अधिक हो रहा है । हम सब को मिलकर किसानों को जागरूक करना होगा जिससे डीजल इंजन का प्रयोग काम करके सोलर पंप का प्रयोग करें और प्रयोग के लिए अधिक से अधिक सौर ऊर्जा लगवाने हेतु समुदाय को जागरूक करना होगा।

अयोध्या प्रसाद यादव ने कहा कि साथी फोरम से जुड़े सभी स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों को पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर कम से कम एक एक गॉव को गोद लेकर वृक्षारोपण के साथ–साथ सिंचाई के लिए सोलर पंप और घरेलू उपयोग हेतु सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए समुदाय को जागरूक करना होगा । बैठक के अंत मे उपस्थित लोगो ने पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। बैठक में प्रमोद कुमार यादव. फादर फ्रांसिस, बालकेश चौधरी , डॉ एनके सिंह, मुकेश कुमार मिश्रा, लक्ष्मी गौतम, निहाल गौतम, संजय श्रीवास्तव, गोविंद मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

चंदा घाट पुल से नदी में कूदी किशोरी, मौत

संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र के कसिहार निवासी एक किशोरी नीतू ने दोपहर 1 बजे मलांव चंदा घाट पुल से राप्ती नदी में छलांग लगा दी। स्थानीय नाविकों ने नदी में छलांग लगाकर बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस अपने निजी साधन से तत्काल किशोरी को कौड़ीराम स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, किशोरी के पिता विजय की कुछ साल पहले मौत हो चुकी थी। वहीं, इसकी शादी तय हो गई थी। घर पर बाबा रामवृक्ष व दादी सिंहारी देवी के अलावा दो छोटे भाई शिवा और शिवम के साथ रहती थी। वहीं, मां हिरन देवी चोरी के एक मामले में लखनऊ स्थित जेल में बंद है। किसी बात को लेकर आज दिन में एक बजे राप्ती नदी के चंदा घाट पुल से नदी में कूद गई, जिसे बचाने के लिए स्थानीय तैराक नाविक युवक अपनी जान की बाजी लगाकर नदी में कूद कर बह रही किशोरी को बाहर निकाला, जिसकी सूचना मिलने पर पहुंचे हल्का दरोगा शिवकुमार यादव और शैलेश यादव ने अपने निजी साधन से किशोरी को कौड़ीराम स्थित स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। नदी में कूदने का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलटा टेम्पो, चालक घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के मुकुन्दपुर कोल्ड स्टोर के निकट रविवार को अचानक सड़क पर पहुंचे बन्दर को बचाने के चक्कर में एक टेम्पो अनियंत्रित हो गया। सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पलट गया। आनन फानन में लोग बचाव कार्य में जुट गए। गंभीर रूप से घायल चालक को सीएचसी नाथनगर में भर्ती कराया गया। जबकि टेम्पो पर सवार तीन अन्य महिलाएं मामूली रूप से चुटहिल हो गईं। जिनका उपचार निकट अस्पताल में होने के बाद घर भेज दिया गया। टेम्पो से टकराने के बाद बन्दर भाग गया।

क्षेत्र के कंचन भैंसही निवासी विशाल त्रिपाठी पुत्र सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी टेम्पो चलाते हैं। रविवार को नाथनगर से रिजर्व लेकर बस्ती जा रहे थे। टेम्पो पर एक ही परिवार की तीन

महिलाएं सवार थीं। नाथनगर–महुली मार्ग पर मुकंदपुर गांव निकट टेम्पो पहुंचा था। इसी दौरान अचानक सड़क पार कर रहा एक बंदर पहुंच गया। बंदर को बचाने के चक्कर में चालक ने संतुलन खो दिया। टेम्पो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में जाकर पलट गया। दुर्घटना देख राहगीरों के अलावा स्थानीय लोग पहुंच गए। टेम्पो से घायल लोगों को बाहर निकाला। दुर्घटना में चालक विशाल त्रिपाठी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका इलाज सीएचसी नाथनगर में चल रहा है। जबकि तीन अन्य महिलाएं मामूली रूप से चुटहिल हो गईं।

मवेशियों के गले में तो डाल दी रस्सी, मगर ये आदमी खुद बेलगाम चलता है

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। 'उस्ताद शायर ताजीर बस्तवी' के सम्मान में साहित्यिक संस्था ''अदबी संगम बस्ती'' के बैनर तले फारूखे आजम पब्लिक स्कूल मोहल्ला मिल्लत नगर में काव्य गोष्ठी 'शेरी नशिस्त' का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कवि डॉ रामकृष्ण लाल 'जगमग' और संचालन मशहूर शायर अब्दुर्रब 'असद बस्तवी' ने किया ।

—अदबी संगम के काव्य गोष्ठी 'शेरी नशिस्त' में छा गये शायर, कवि

अध्यक्षता कर रहे डॉ रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि ताजीर बस्तवी की शायरी आम आदमी से जुड़ी हैं और उनके जीवन संघर्षो को स्वर देती है। जगमग जी की रचना 'हर पल गीत प्रेम का गाया ,नहीं किसी का हृदय दुखाया, कौन करें अब लेखा–जोखा, जीवन में क्या खोया पाया' के द्वारा जीवन के द्वंद को शव्द दिया।

उस्ताद शायद ताजीर बस्तवी ने कुछ यूं कहा– मवेशियों के गले में तो डाल दी रस्सी, मगर ये आदमी खुद बेलगाम चलता है, इस कदर खायें हैं ताजीर दवाएं मैंने ,अब तो टैबलेट की तरह चांद नजर आता है' को लोगों ने डूब कर सुना।

काजी अनवार 'पारसा' ने यूं कहा – 'जाने क्या पढ़के मेरे जिस्म पे फूंका उसने, बर्फ की सेज पर लेटा हूं बदन जलता है ' सुनाकर वाहवाही लूटी।

विनोद उपाध्याय 'हर्षित' ने गीतों से माहौल में नहीं ऊंचाई दी ' कर करके याद कितने ही आंचल भिगोये थे, जाने वो बात क्या थी कि जी भर के रोए थे'। कुद्दूस अहमद 'कलीम बस्तवी हकीकी' ने कुछ यूं कहा– 'देखने लायक है तेजी भी लहू के धार की, ऐसा ना हो फंस के रह जाए गला शमशीर का'। सागर गोरखपुरी ने कुछ यूं कहा– 'बहुत बिरले ही होते हैं जिन्हें सम्मान मिलता है, समंदर के सभी सीपो में गौहर हो नहीं सकता'। आर यन सिंह 'रुद्र संकोची' की रचना 'कई मेरे चाहने वाले हैं मेरा कोई नहीं, एक तू ही है जो चाहे मुझे मेरा भी है' को सराहा गया। दीपक सिंह प्रेमी ने ' मैं शीशा हूं मुझे तोड़कर बिखरा दो, दुनिया में, मगर हर टुकड़े में तुम अपनी ही तस्वीर पाओगे' के द्वारा प्रेम को नया स्वर दिया ।

मास्टर तव्वाब अली की शायरी 'मां के जैसी दुनिया में नेअमत नहीं मिल सकती, मां के ममता की कभी कीमत नहीं मिल सकती'। अशरफ अली अशरफ ने कुछ यूं कहा – 'टेढ़ा रास्ता टेढ़ी चले, टेड़ी दुनिया टेढ़े लोग, ऐसे में मैंने भी खुद को सीधा थोड़ी करना है' । जगदीश सिंह 'दीप' ने की पंक्तियां ' कब तक यूं आप एक ही दर पर झुकेंगे दीप, खिड़की को छोड़ दीजिए गलियों को देखिए' को श्रोताओं ने सराहा। आफताब आलम ने यूं कहा– 'मैं चाहता हूं मेरे घर के पास जंगल हो, मैं दिन गुजारूं परिंदे शुमार करते हुए' ने 'शेरी नशिस्त' को ऊंचाई दी। डॉ. अफजल हुसैन 'अफजल' ने कहा– 'यहीं पर छोड़कर जाना है सारा, यहां क्या है हमारा, क्या तुम्हारा, बहुत इतरा रहे थे तुम भी जिस पर, नहीं जा पाया धन दौलत तुम्हारा' के द्वारा जिन्दगी की हकीकत बयान किया। असद बस्तवी ने कुछ यूं कहा– 'खुशबुओं की तरह ताजगी का हुनर, फूल से सीख लो जिंदगी का हुनर'।

आदित्य राज 'आशिक' की रचना 'दरिया में हूं जीते जी किनारा मिले ना मिले मौत आए तो किनारे जरूर ले जाएगी मुझे' के द्वारा जीवन के द्वंद पर रोशनी डाली।

कवि गोष्ठी और 'शेरी नशिस्त' में मुख्य रूप से वसीम अहमद, अब्दुल हक अंसारी, सलीम अंसारी, अब्दुल सलीम अंसारी, अब्दुल लतीफ, राजू के साथ ही अनेक कवि, शायर और श्रोता उपस्थित रहे।

न्यायालय के आदेश पर तीन के खिलाफ एससी एसटी का मुकदमा

संवाददाता–संतकबीरनगर। क्षेत्र के मनैतापुर गांव में लगभग चार माह पूर्व हुए मारपीट के एक मामले में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मजबूर होकर उसे न्यायालय से न्याय की गुहार लगानी पड़ी। घटना के चार माह बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीन अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पीड़ित राम प्रसाद का आरोप है कि चार अप्रैल को अपने नाबालिग पौत्र श्रेयांश के सघथ बाजार करके घर वापस जा रहा था। वह अपने गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास ही पहुंचा था। तभी प्रधानी चुनाव की रंजिश को लेकर गांव के ही राजकुमार तिवारी पुत्र चन्द्रभान तिवारी, अंकित तिवारी पुत्र राजकुमार तिवारी व हिमेश तिवारी पुत्र रविन्द्र तिवारी एक राय व गोलबंद होकर आए और रास्ता रोक लिया। विरोध करने पर तीनों लोगों ने लाठी डण्डा से मारा–पीटा। जिससे वे और उसका पोता गंभीर रूप से घायल हो गए। आस–पास के लोगों के बीच–बचाव करने पर जान बची। घटना की बेलहर थाने पर सूचना दिया, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। पुलिस अधीक्षक को पंजीकृत डाक से सूचना देने पर भी अभियुक्तों पर कार्रवाई नहीं हुई। मजबूरन न्यायालय से गुहार लगाई। न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने मनैतापुर निवासी तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट एवं एससीएसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया और मामले की जांच में जुट गई।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 485/2019
अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

राम बिहारी
बनाम
कृष्ण बिहारी आदि

1. कृष्ण बिहारी 2. विजय बिहारी पुत्रगण शिव प्रसाद 3. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी अवधेश बिहारी 4. गौरव त्रिपाठी पुत्र अवधेश बिहारी 5. अर्चित पुत्र अवधेश बिहारी ववलायत श्रीमती कृष्णा देवी माता हकीकी 6. शंकर शरण 7. शम्भू शरण पुत्रगण छैल बिहारी 8. श्याम बिहारी पुत्र शिवराम साकिनान मौजा पिकौरा शिवगुलाम तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती पो0 गांधी नगर बस्ती

तारीख पेशी 20–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी सं0 576+579+584
अदालत–श्रीमान डी0डी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राम शंकर आदि
बनाम
श्रीमती चन्दा देवी आदि

1. श्रीमती चन्दा देवी पत्नी अखण्ड कुमार –उत्तरवादी प्रथम वर्ग 2. जगलाल पुत्र जानकी ग्राम इब्राहिमपुर तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. जगई (मृतक) पुत्र मंगरे 4. सुकई (मृतक) पुत्र मंगरे साकिन मझौवा दूबे 5. ग्राम पंचायत मझौवा दूबे जरिये प्रधान निवासी मझौवा दूबे तप्पा वेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला –बस्ती –उत्तरवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 13–08–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 13 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

भाई गया पत्नी का इलाज कराने बहनों ने बेच दी जमीन

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में धनघटा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी चार साल पहले बीमार पत्नी का इलाज कराने मुम्बई गया। इधर बहनों ने दिमागी रूप से कमजोर पिता से जमीन दूसरों को बेच दी। पीड़ित अब न्याय के लिए भटक रहा है। राम ललित पुत्र विश्वनाथ निवासी बभनौली ने अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन को प्रार्थना पत्र दिया है। प्रार्थना पत्र में राम ललित ने लिखा है कि उनके पिता विश्वनाथ 83 वर्ष के अति वृद्ध हो गए हैं। उनका दिमाग सही ढंग से काम नहीं करता है। 2020 में मेरी पत्नी की तबीयत खराब होने के कारण मैं उन्हें उपचार के लिए मुंबई लेकर चला गया। पिताजी बुआ कलावती देवी के घर पर रहने लगे थे।

मेरी सगी बहनें उन्हें बहला–फुसला कर एक एकड़ खेत 5 दिसंबर 2012 को दूसरे के नाम रजिस्ट्री करवा दी। उसका पैसा 17 लाख 50 हजार 12 अक्टूबर 2022 को अपने खाते में डलवा लिया। जब इसकी जानकारी हमको हुई तो पिताजी से उक्त प्रकरण के बारे में जानकारी लेना चाहा। पिताजी दिमाग न ठीक होने का हवाला देते हुए बात को टाल गए। अब बहनें संपत्ति देने से इनकार कर रही हैं। जिससे पूरा परिवार परेशान है। पीड़ित ने अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

पानी के गड्ढे में मिले युवक की मौत का कारण नहीं चल पाया

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के दुधारा क्षेत्र के चिउटना में दो दिन पहले गड्ढे में मृत मिले युवक के मौत का कारण पता नहीं चला। अब उसकी मौत का कारण जानने के लिए बिसरा जांच को भेजा जाएगा। पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण पता नहीं चल पाया है।

छपिया माफी गांव निवासी पीड़ित भाई मोहम्मद नईम पुत्र अब्दुल समद ने बताया कि पांच भाइयों में मोहम्मद शमीम चौथे नंबर का था। शमीम मुंबई में फर्नीचर में पॉलिश का काम करता था। करीब डेढ़ महीने पूर्व शमीम घर आया था। आरोप है कि पड़ोस के गांव का एक युवक आठ अगस्त की रात साढ़े आठ बजे उसके घर से शमीम को बुलाकर शराब पीने के लिए ले गया था। रात में भाई शमीम घर नहीं लौटा तो उसकी तलाश शुरू की गई। अगले दिन चिउटना के पास पानी भरे गड्ढे में भाई शमीम की लाश मिली। पड़ोस के युवक से जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि शमीम को उसके ससुराल टेमी छोड़ा था। जबकि पता किया गया तो शमीम ससुराल गया ही नहीं था। शमीम ने किस्त पर महंगी मोबाइल खरीदा था, जो गायब है। ऐसे में सवाल है कि शमीम की मौत आखिर कैसे हुई।

पीड़ित भाई ने बताया कि सभी भाइयों का परिवार अलग–अलग रहता है। भाई शमीम के पास सिर्फ तीन बेटियां हैं। बड़ी बड़ी 12 वर्ष की मुस्कान, 10 वर्ष की फिजा और सबसे छोटी बेटी चार वर्ष की है। पीड़ित पत्नी साजरा खातून और मां अमरीकुन्निशा का रो–रो कर बुरा हाल था। एसओ जय प्रकाश दूबे ने बताया कि चिउटना स्थित लाईसेंसी शराब की दुकान से कुछ दूर आगे पानी भरे गड्ढे में मोहम्मद शमीम की लाश मिली थी।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने की खुदकुशी, फंदे से लटका मिला शाव

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट थाना क्षेत्र के सिंघड़िया चौराहा निवासी एक छात्रा ने शनिवार की रात में दूसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में छत की कुंडी में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। भाई की सूचना पर रविवार की सुबह पहुंची कैंट पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी। दो बार उसे असफलता मिल चुकी थी। पुलिस की जांच में कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसके मोबाइल को कब्जे में लिया है। जानकारी के अनुसार कैंट थाना क्षेत्र के सिंघड़िया चौराहा निवासी मनोज साहनी की 22 वर्षीय बेटी श्वेता साहनी शनिवार की रात अपने माता–पिता के साथ खाना खाने के बाद दूसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में सोने चली गई। वह सुबह जब समय से नहीं उठी तो उसका भाई प्रवीण सुबह करीब 8.30 बजे उसके कमरे की तरफ गया बाहर से आवाज लगाने लगा लेकिन कमरे के अंदर से किसी तरह की आहट नहीं मिली। खिड़की से देखा तो श्वेता छत की कुंडी में लगे पंखे में साड़ी का फंदा लगाकर लटक रही थी। शोर मचाने पर उसके माता–पिता पहुंचे। परिवारीजनों ने दरवाजा तोड़ दिया और कैंट पुलिस को सूचना दी। सूचना पर इन्जिनियरिंग कालेज चौकी इंचार्ज राकेश कुमार पहुंचे। उन्होंने फारेंसिक टीम को सूचना दी। टीम पहुंची और शव को पंखा से उतरवार पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। छात्रा का मोबाइल फारेंसिक टीम अपने साथ लेकर गई। पुलिस की जांच में छात्रा के कमरे में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।घरवालों के मुताबिक श्वेता नीट की तैयारी कर रही थी। दो बार नीट की परीक्षा दे चुकी थी लेकिन सफलता नहीं मिली थी। पिता मनोज साहनी ईंट भठ्ठे पर सम्पर्क कर ईट बेचने के साथ ही जमीन का कारोबार करते हैं। पिता मनोज बेटी को डॉक्टर बनाने के लिए विदेश भेजने की तैयारी में थे। आसपास के लोगों का कहना है कि श्वेता घर से बाहर कम ही निकलती थी। श्वेता से दो भाई में दूसरे नम्बर की थी। भाई हैं बड़ा भाई प्रिंस दो माह पहले मर्चेंट नेवी में ट्रेनिंग करने गया है। छोटा भाई प्रवीण घर पर रहकर पढ़ाई करता है। इंजीनियरिंग कालेज चौकी इंचार्ज राकेश कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी। उसके कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कमरे से मोबाइल मिला है जो कब्जे में लिया गया है।

राम मंदिर को दान में मिले 55 अरब रुपये, 3 सालों में मिले 2 हजार करोड़ रुपये

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर को दान में 55 अरब रुपये मिले हैं। आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन सालों में 2 हजार करोड़ रुपये दान में मिले। 2021 में निधि समर्पण अभियान में 3500 करोड़ धनराशि मिली थी। 10 महीने में मंदिर को 11 करोड़ विदेशी दान भी मिला है।

रामलला अरबपति हो गए हैं। रामभक्त रामलला पर दिल खोलकर खजाना लुटा रहे हैं। यूपी के अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर को अब तक दान में 55 अरब रुपये मिले हैं। एक रिपोर्ट में जारी आंकड़ों के अनुसार राम मंदिर को पिछले कुछ सालों में दान में 55 अरब रुपये मिले। इनमें से पिछले 3 सालों में 2 हजारकरोड़रुपये दान में मिले हैं। जब से मंदिर बनकर तैयार हुआ है तभी से भक्तों की भीड़ राम मंदिर में राम लला के दर्शन के लिए पहुंच रही है। खास मौकों पर रिकॉर्ड भीड़ मंदिर में राम लला के दर्शन करती है।

राम मंदिर के निर्माण से पहले ही लोगों ने निर्माण में मदद के लिए दान देना शुरू किया था। मंदिर के निर्माण के बाद यहां भक्तों की भीड़ रहती है। 2021 में निधि समर्पण अभियान में भी राम मंदिर को 3500 करोड़ धनराशि दान में मिली थी। केवल भारत ही नहीं बल्कि दूर देशों से भी भक्तों ने राम मंदिर को दान भेजा है। आंकड़ों के अनुसार 10 महीने में 11 करोड़ विदेशी दान भी राम मंदिर को मिला। पिछले तीन सालों में दो हजार करोड़ रुपये का दान मिला है। संतों का कहना है कि भक्त रामलला के दर्शन के लिए आते हैं और अपनी इच्छा से क्षमता अनुसार दान दे रहे हैं। इसी दान से मंदिर निर्माण में भी सहायता मिली।

अयोध्या में सावन मेला में मेलार्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इन मेलार्थियों के कारण राम मंदिर में भी दर्शनार्थियों की भीड़ बढ़ गयी है। राम मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव का दावा है कि बीते दो–तीन दिनों से रामलला के दर्शनार्थियों की संख्या फिर से एक लाख से अधिक हो गयी है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर परिसर में एक दिन में दो लाख श्रद्धालुओं को बिना किसी असुविधा के दर्शन कराने का पूरा प्रबंध है। उन्होंने बताया कि रामलला के दर्शनार्थियों के लिए सात लेन निर्धारित है जिसमें पांच लेन सामान्य दर्शनार्थियों के लिए है।

नाटक के जरिए महिलाओं–किशोरियों का बताया उनका अधिकार, दी कानून की जानकारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बालिका शिक्षा, समानता, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक विकास, महिला व किशोरियों से सम्बंधित कानूनों और सरकारी योजनाओं पर हकदारी के लिए अकबरपुर विकास खण्ड की आठ ग्राम पंचायतों के 16 स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ। नाटक से लोगों को नयी सीख मिली। साथ ही उनमें नई उम्मीद जगी। जन विकास केन्द्र भितरीडीह के निर्देशन में एससीडी दिल्ली की म्यूजिकल टीम की ओर से आयोजित नुक्कड़ नाटक को सम्बोधित करती हुई केन्द्र की सचिव गायत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य किसी समसामायिक प्रश्न अथवा समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करना है। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से सभी का ध्यान आकृष्ट करते हुए उन्हें सोचने को मजबूर किया जाता है। ताकि वे सुधार या बदलाव की जरूरत महसूस करें और उसके लिए प्रयास करें। मनोज कुमार ने कहा कि नुक्कड़ नाटक भारतीय परंपरा का एक प्रसिद्ध हिस्सा रहा है। नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य एक अनोखे एवं व्यंग्यात्मक तरीके से सामाजिक और आवश्यक संदेश प्रसारित करना और लोगों में जागरूकता पैदा करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए बिहलोलपुर, चन्दनपुर, अखईपुर, सिसानी, कजरी, नन्दापुर, इस्माइलपुर, हसनपुर, अलीपुर, आलमपुर अखई, नवानगर, कोड़रा, कौड़हा, उसकी, ताराकला, नसीरपुर में नाटक का मंचन हुआ। नाटक मंचन के उपरांत लक्ष्मी, निरकला, छोटेलाल व अंजली ने लोगों को संगठन निर्माण, बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन व विभिन्न कानूनों पर प्रशिक्षण दिया। धर्मवीर मिश्र, सचिन, पूजा, पंकज व विशाल के हृदयस्पर्शी व मनमोहक नाट्य से लोगों को भावविभोर हुए। साथ ही संगठित होकर शिक्षा, समानता, स्वास्थ्य व सशक्तिकरण का संकल्प लिया। मंचन को सफल बनाने में देपेश श्रीवास्तव, गिरिजा प्रसाद, श्यामलाल, निशा, सचिन, धर्मेंद्र, संजय, राकेश, झिनकान, अखिलेश, राधा, गोपाल ने योगदान दिया।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com